

प्रेषक,

सौरभ जैन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 09 मार्च, 2009

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2008-09 में निजी नलकूपों/पम्पसैटों के ऊर्जाकरण/विद्युत संयोजन हेतु शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि के आहरण की अनुमति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कारपोरेशन के पत्र संख्या 214/निदेशक (परिचालन)/उपाकालि/टी-31, दिनांक 11.02.2009 का सन्दर्भ लेने का कष्ट करें।

उक्त पत्र के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 1030/1(2)/2008-06(1)/30/2006, दिनांक 25.04.2008 के द्वारा निजी नलकूपों/पम्पसैट के ऊर्जाकरण/विद्युत संयोजन हेतु अवमुक्त रू० 2,00,00,000.00 (रू० दो करोड़ मात्र) की धनराशि के आहरण की स्वीकृति निम्न शर्तों के अन्तर्गत प्रदान की जाती है:-

- क- उक्त वर्णित शासनादेश दिनांक 25.04.2008 की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
ख- वित्तीय वर्ष 2006-07 तक योजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष लाभार्थियों की इन्वेन्ट्री निर्धारित प्रारूप पर तथा आवंटित धनराशि का वर्षवार उपभोग प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर 15 दिनों के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
ग- योजना हेतु अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति योजना के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का उपयोग सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों पर व्यय किये जाने के सम्बन्ध में औचित्य 15 दिनों के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

भवदीय,

(सौरभ जैन)
अपर सचिव

संख्या: 698 /1(2)/2009-6(1)/30/2006, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
- 5- वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- श्री एल०एम० पंत, अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मन्थ्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 8- गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव